



पाठ
1

मेलों की वेला

आपके यहाँ कौन-सा मेला लगता है?



आप मेला देखने किसके साथ जाते हैं और मेले में क्या खरीदना पसंद करते हैं?



वार्म अप

Points to Discuss



भारत के
राष्ट्रीय त्योहार
कौन-कौन-से हैं?

आप कौन-कौन-से त्योहार मनाते हैं?



अध्यापन-संकेत

'वार्मअप' के माध्यम से शिक्षक/शिक्षिका बच्चों को पाठ-पठन एवं अधिगम (Learning) हेतु तैयार करें। यहाँ दिए गए प्रश्न संकेत मात्र हैं। पाठ की तैयारी हेतु बच्चों से अन्य रुचिकर प्रश्न पूछकर विषय पर चर्चा करें और उनमें पाठ पढ़ने की उत्कंठा उत्पन्न करें।



पोटली पाठ की

About the Chapter

नाच उठा धरती का कण-कण,
बस्ती-बस्ती रौनक छाई।
बाल-वृद्ध सब लगे तुमकने,
मेलों की वेला है आई॥

आज सजेंगी हाट-दुकानें,
जो चाहे लेना भाई।
गुड़िया, मोटर, कंठी, माला,
बिंदिया, चूड़ी मनचाही॥

पोंगल मकर मनाने को,
पौ फटते ही उठ जाते।
खीर-चूरमा खा-खाकर,
बैलों की दौड़ कराते॥

गौर शीतला पूजन को,
गलियाँ गीतों से गुँजाई।
छोटा बबुआ देख दुल्हनिया,
घूँघट में ही मुसकाई॥



भारत मेलों और त्योहारों का देश है। सभी भारतवासी मिल-जुलकर मेलों और त्योहारों में भाग लेते हैं। इससे एकता और मेल-जोल की भावना बढ़ती है। कविता को पढ़ो और आनंद लो।



मान लो आप
किसी मेले में
माता-पिता से बिछुड़
जाते हो तो आप
क्या करोगे?



होली की पिचकारी में देखो,
स्नेह भरा है रंग घुला।
आपस में घुल-मिल जाते हैं,
ऊँच-नीच का भेद भुला॥



राखी के बंधन में बँधकर,
भाई चुप-चुप कह जाए।
जैसे भी हो मैं पहुँचूँगा,
विपदा तुम पर जब आए॥

दीवाली का दीपक झिलमिल,
शिखा डुलाकर कह जाए।
बहा पसीना करे परिश्रम,
लक्ष्मी उसके घर आए॥

ईद मुबारक कहने को,
मस्जिद के **गुंबद** गूँज उठे।
बड़े दिवस के अवसर पर,
गिरजों के घंटे गूँज उठे॥

गिरिजन, वनवासी मिल-जुलकर
रथ-यात्रा में जुट जाते।
गूँजे मंदिर, हँसीं गुफाएँ,
सब मिल **समरस** हो जाते॥

ढोल-नगाड़ा, बीन-बाँसुरी,
ताता-थैया थिरक उठे।
कत्थक-**भँगड़ा** रास रचा,
गरबा से धरती धमक उठे॥

स्वतंत्रता दिवस या गणतंत्र दिवस,
बाल दिवस, गांधी मेला।
एक प्राण हो सभी मनाएँ,
जब हो मेलों की वेला॥

-डॉ० जयनारायण कौशिक

अगर कोई मेला सिर्फ़
बच्चों के लिए बच्चों
द्वारा लगाया गया हो
तो उसमें क्या-क्या
होगा?

बात सीख की Values

- ★ संस्कृति से परिचय
- ★ प्रेम और आनंद
- ★ एकता की भावना का विकास
- ★ मेल-जोल



शब्दार्थ

(Word Meanings)

वेला = समय (occasion); **कंठी** = छोटे मोतियों की माला (string); **पौ फटना** = सूर्य निकलने से पहले का समय (dawn); **चूरमा** = आटा, घी और चीनी से तैयार एक मिष्ठान्न (a sweet dish made with flour, ghee and sugar); **स्नेह** = प्रेम (affection); **भेद** = अंतर (difference); **विपदा** = मुसीबत (trouble); **शिखा** = दीपक की लौ (flame of a lamp); **गुंबद** = भवन का ऊपरी गोल भाग (dome); **बड़ा दिवस** = बड़ा दिन, क्रिसमस (Christmas); **गिरिजन** = पहाड़ों पर रहनेवाले लोग (hilly people); **समरस** = मिलकर एक होना (to unite); **भँगड़ा** = पंजाब का लोकनृत्य (Punjabi Bhangra dance); **गरबा** = गुजरात का लोकनृत्य (a folk dance performed in Gujarat)



बात कविता की

मौखिक (Oral Expression)



1. मेलों की वेला आने पर क्या नाच उठा है?
2. होली की पिचकारी में कैसा रंग घुला हुआ है?
3. गिरजों के घंटे कब गूँज उठते हैं?

आपके विचार से
मेले और त्योहारों के
अलावा भारत की
एकता कब और
कहाँ-कहाँ झलकती
है?

लिखित (Written Expression)



1. कवि ने हाट के विषय में क्या बताया है?

2. दीवाली हमें क्या संदेश देती है?

3. ईद और बड़े दिन पर क्या होता है?

4. कवि ने एक प्राण होकर क्या मनाने के लिए कहा है?

5. इस कविता में कवि ने क्या संदेश दिया है?

6. नीचे दिए गए अर्थोंवाली पंक्तियाँ कविता में से चुनकर लिखो-

लोग पोंगल और मकर सक्रांति के त्योहार पर सुबह जल्दी जाग जाते हैं। इस अवसर पर खीर-चूरमा बनाया जाता है और बैलों की दौड़ प्रतियोगिता होती है।

7. सही उत्तर के सामने ✓ लगाओ-

(क) मेलों के मौसम में कौन नाचने लगते हैं?

पशु-पक्षी

☐

बच्चे-बूढ़े

☐

स्त्रियाँ

☐

स्त्री-पुरुष

☐

(ख) होली का त्योहार हमें कौन-सा भेद भुलाने की सीख देता है?

ऊँच-नीच का

☐

गाँव-शहर का

☐

त्योहारों का

☐

स्त्री-पुरुष का

☐

(ग) गिरिजन और वनवासी मिल-जुलकर किसमें भाग लेते हैं?

पूजा-पाठ में

☐

मेले-त्योहारों में

☐

नृत्य-गान में

☐

रथ-यात्रा में

☐

बात भाषा की

1. नीचे दिए गए शब्दों में जो पर्यायवाची नहीं है, उसपर गोला (☐) लगाओ-

बाल	-	बच्चा	शिशु	बालिका	बालक
स्नेह	-	प्रिय	प्रेम	प्यार	प्रीति
दीपक	-	दीप	प्रकाश	प्रदीप	दीया
गिरि	-	पर्वत	नारियल	पहाड़	भूधर
वन	-	अरण्य	जंगल	कानन	बगिया

2. नीचे दिए गए शब्दों का वर्ण-विच्छेद करो-

बस्ती - ब् + अ + स् + त् + ई

दुल्हन - + + + + + +

परिश्रम - + + + + + + + +

लक्ष्मी - + + + + +

गूँज - + + + +

* किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान या भाव के नाम को **संज्ञा** कहते हैं।

3. नीचे दिए गए वाक्यों में से संज्ञा शब्द चुनकर लिखो-

- (क) धरती नाच उठी है। धरती
- (ख) पोंगल मनाने के लिए सभी जाग गए हैं।
- (ग) आज हम पिचकारी खरीदने जाएँगे।
- (घ) उसने बहुत तेज़ ढोल बजाया।
- (ङ) मैं मेला देखने अवश्य जाऊँगा।

* अनेक शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग करके हम अपनी बात को कम शब्दों में कह सकते हैं।

4. नीचे दिए गए अनेक शब्दों के लिए एक शब्द चुनकर लिखिए-

यात्री बाँसुरीवादक परिश्रमी नर्तक वनवासी

- (क) परिश्रम करनेवाला -
- (ख) वन में रहनेवाला -
- (ग) यात्रा करनेवाला -
- (घ) नृत्य करनेवाला -
- (ङ) बाँसुरी बजानेवाला -

* स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'इ' या 'ई' हो तो बहुवचन बनाते समय 'इ' या 'ई' को 'इ' में बदलकर याँ जोड़ दिया जाता है।

* स्त्रीलिंग शब्दों के अंत में 'अ' हो तो बहुवचन बनाते समय 'अ' के स्थान पर 'एँ' कर दिया जाता है।

5. नीचे दिए गए शब्दों के बहुवचन लिखो-

बस्ती - बस्तियाँ

कंठी -

चूड़ी -

राखी -

बाँसुरी -

मोटर -

हाट -

दुकान -

मस्जिद -

बीन -